

(मैनुअल/कम्प्यूटर)

हिंदी टंकण परीक्षा-जुलाई, 2014
भारत सरकार, गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग,
हिंदी शिक्षण योजना, परीक्षा स्कंध
प्रश्न पत्र-प्रथम
बैच-I

समय : 1 घंटा 40 मिनट

पूर्णांक : 50

1. निम्नलिखित सारणी (स्टेटमेंट) को सुन्दर ढंग से टाइप कीजिए :
(20 अंक)

एन.सी.आर. के प्रमुख भूखण्डों का विवरण

क्र.सं.	स्थान	भूखण्डों की संख्या	क्षेत्रफल (वर्गमीटर में)	पंजीकरण की धनराशि
1.	फरीदाबाद	120	100	1,00,000
2.	गुड़गांव	110	100	1,00,000
3.	गाज़ियाबाद	80	120	1,00,000
4.	सोनीपत	70	150	1,20,000
5.	पलवल	65	200	1,25,000
6.	नोएडा	85	90	90,000
7.	नरेला	50	70	50,000
8.	बल्लभगढ़	45	100	80,000

S/18 RBJ/14—P-I-I

2. निम्नलिखित पत्र को सही व सुन्दर ढंग से टाइप करें : (10 अंक)

सं० 21010/2/2013/केहिप्रसं/5621

भारत सरकार

गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग,
केंद्रीय हिंदी प्रशिक्षण संस्थान

2-ए, पृथ्वीराज रोड,

नई दिल्ली-110011

दिनांक : 02 मई, 2013

सेवा में,

उप प्रबंधक (राजभाषा)

स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लि०,

भिलाई इस्पात संयंत्र,

भिलाई-490001

विषय : पत्राचार पाठ्यक्रम द्वारा हिंदी टाइपलेखन का प्रशिक्षण दिलाने के संबंध में ।

महोदय,

उपर्युक्त विषय के संबंध में आपका पत्र इस कार्यालय में प्राप्त हुआ । तदनुसार आपको अवगत कराया जाता है कि पत्राचार पाठ्यक्रम द्वारा हिंदी टाइपलेखन प्रशिक्षण हेतु आगामी सत्र 02 अगस्त, 2013 से आरंभ होने जा रहा है जिसमें आपकी ओर से नामांकन प्राप्त होना अपेक्षित है । अतएव आपसे अनुरोध है कि आपके कार्यालय में प्रशिक्षण हेतु शेष बचे हुए कर्मचारियों में से पत्राचार पाठ्यक्रम द्वारा हिंदी टंकण का प्रशिक्षण प्राप्त करने के इच्छुक कर्मचारियों के नाम यथाशीघ्र भिजवाने की व्यवस्था करें ताकि समय रहते आगामी आवश्यक कार्यवाही की जा सके ।

भवदीय,

(अ०ब०स०)

उप निदेशक

3. निम्नलिखित हस्तलेख को इसमें किए गए संशोधन, परिवर्तन, परिवर्धन आदि का समावेश करते हुए ठीक प्रकार से टाइप कीजिए :

(20 अंक)

← पिलायिता का जीवन

अज्ज भी इस असावधानी भरी जिंदगी में भी
हर व्यक्ति स्वयं को अकेला महसूस नहीं कर रहा
है। लोग सोचते हैं कि धन है तो सब कुछ है।
लेकिन ऐसा है नहीं। मेरा मानना है कि धन
सचन है, पर साधन नहीं। धन से अधिक
सुख मिलता है, पर शक्ति नहीं।

→ धन जीवनसाधन के लिए
महत्वपूर्ण है किंतु सवाल यह है कि धन
किसका और कैसे अर्जित किया जाए।
अगर हम अपनी जानमापें और कामनाएं
बढ़ोते ही जाएंगे तो मिलना भी धन अर्जित
न कर लें हमारी इच्छा कभी समाप्त नहीं
होगी और न ही समस्याओं का अंत
होगा। इसलिए यह जरूरी है कि हम अपनी
कामनाएं सीमित रखें।